www.hindiswaraj.com

॥ श्री रामदेव आरती ॥

ॐ जय श्री रामादेस्वामी जय श्री रामादे।
पिता तुम्हारे अजमलमैया मेनादे॥

ॐ जय श्री रामादे
स्वामी जय श्री रामादे॥

रूप मनोहर जिसकाघोड़े असवारी।
कर में सोहे भालामुक्तामणि धारी॥

ॐ जय श्री रामादे
स्वामी जय श्री रामादे॥

विष्णु रूप तुम स्वामीकलियुग अवतारी।
सुरनर मुनिजन ध्यावेजावे बलिहारी॥

ॐ जय श्री रामादे
स्वामी जय श्री रामादे॥

दु:ख दलजी कातुमने पल भर में टारा।
सरजीवन भाण कोतुमने कर डारा॥

ॐ जय श्री रामादे
स्वामी जय श्री रामादे॥

नाव सेठ की तारीदानव को मारा।
पल में कीना तुमनेसरवर को खारा॥

ॐ जय श्री रामादे
स्वामी जय श्री रामादे॥